IJETIR

ISSN (Online) 2583-0554

Impact Factor: 5.731

International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)

Volume 6, Issue 3, March 2026

vk/kfud 0;kikj vkj m|kx e okf.kT; dh iklfxdrk % volj vkj pukfr;k

rlyhe [kku[1] and Mk- uhjt ckl kfr;k

[1]शोधार्थी, वाणिज्य विभाग, श्री जगदीश प्रसाद झाबमरमल टिबरेवाला विश्वविद्यालय, झुन्झुनु, राजस्थान

[2]सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, श्री जगदीश प्रसाद झाबमरमल टिबरेवाला विश्वविद्यालय, झुन्झुनु, राजस्थान

lkjk'k

आधुनिक व्यापार और उद्योग में वाणिज्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण और तकनीकी विकास ने विश्व की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। वाणिज्य न केवल उत्पादन, वितरण और विनिमय की प्रक्रिया को सुचालित करता है, बल्कि वित्तीय सेवाओं, बैंकिंग, बीमा, कर व्यवस्था और ई–कॉमर्स के माध्यम से अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाता है। आधुनिक समय में डिजिटल भुगतान प्रणाली और ओनलाइन व्यापार ने व्यापारिक गतिविधियों को तेज और सुगम बना दिया है। इस अध्ययन में वाणिज्य की प्रासंगिकता, उसके अवसर और चुनौतियों का विस्तत विश्लेषण किया गया है। स्टेट.अर्पाटें, स्टार्टअप संस्कति और वैश्वीक बाजार ने नये अवसर पैदा किए हैं, लेकिन साथ ही साईबर सुरक्षा, प्रतिस्पर्धा और कौशल की कमी जैसी चुनौतियां भी उत्पन्न हुई हैं।

dV"kCn% वाणिज्य, आधुनिक व्यापार, वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण और ई–कॉमर्स

1- iLrkouk

आधुनिक युग तेजी से परिवर्तनशील युग है, जहाँ तकनीक, विज्ञान और वैश्वीकरण ने पूरी विश्व अर्थव्यवस्था को नया रूप दे दिया है। इस परिवेश में व्यापार और उद्योग की प्रक्रिया में भी अभूतपूर्व बदलाव आया है। इन परिवर्तनों के बीच वाणिज्य की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि वाणिज्य ही वह मध्यम है जो उत्पादन, वितरण, विनिमय और उपभोग की पूरी प्रक्रिया को परिचालित करता है।

वाणिज्य केवल व्यापार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह वित्तीय प्रबंधन, बैंकिंग, बीमा, कर व्यवस्था और माजूति बाजार की विभिन्न गतिविधियों को भी शामिल करता है। आधुनिक समय में ई–कॉमर्स, डिजिटल भुगतान प्रणाली और आनलाइन व्यापार ने व्यापार के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। इससे न केवल व्यापारिक गतिविधियों में गति आयी है बल्कि नये रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्वीकरण के कारण अन्तर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच और निवेश के अवसर बढ़े हैं। स्टेट.अर्पाटें और स्टार्टअप संस्कृति ने भी वाणिज्य को नया आयाम प्रदान किया है। इसके साथ ही वित्तीय सेवाओं का विस्तार और तकनीकी अंगीकरण ने व्यापार को अधिक सुविधाजनक बनाया है।

IJETIR

ISSN (Online) 2583-0554

IJETIR

Impact Factor: 5.731

International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)

Volume 6, Issue 3, March 2026

इस प्रकार, आधुनिक व्यापार और उद्योग में वाणिज्य की प्रासंगिकता दिनों–दिन बढ़ती जा रही है, जो अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हालांकि इस परिवर्तनशील परिवेश में कुछ चुनौतियां भी उत्पन्न हो रही हैं, जिन्हें सुलझाना आवश्यक है ताकि स्थायी विकास को प्राप्त किया जा सके।

2- lkfgR; leh{kk

euk t ;kno ¼2019½ द्वारा औद्योगिक विकास और वाणिज्य के बीच सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन किया गया है। इस शोध में स्पष्ट किया गया है कि वाणिज्य उत्पादन, वितरण, वित्तीय प्रबंधन और बाजार विस्तार के माध्यम से औद्योगिक प्रगति को गति देता है। वाणिज्य की सुव्यवस्थित प्रणालियाँ उद्योगों को कच्चा माल, पूंजी और वितरण से सहायता प्रदान करती हैं। अध्ययन में भारत के औद्योगिक विकास में वाणिज्य की आवश्यक भूमिका पर प्रकाश डाला गया है।

jkt i'k tu ¼2020½ ने देश में तेजी से बढ़ती डिजिटल भुगतान व्यवस्था का विश्लेषण किया गया है । इस अध्ययन में यूपीआई, मोबाइल वॉलेट, डेबित/क्रेडिट कार्ड और अन्य ई–पेमेंट माध्यमों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। डाजिटल भारत अभियान ने अर्थव्यवस्था को नकदरहित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता और ग्रामीण क्षेत्रों में अपनाया जाना जैसे चुनौतियों का भी विश्लेषण किया गया है।

itk vxoky ¼2021½ द्वारा आधुनिक शिक्षा प्रणाली में वाणिज्य शिक्षा की बदलती भूमिका का विश्लेषण किया गया है। इस अध्ययन में कौशल आधारित शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्यमिता विकास की महत्वपूर्णता पर प्रकाश डाला गया है। वाणिज्य शिक्षा से छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ती है और उन्हें आधुनिक बाजार की आवश्यकताओं के लिए तैयार किया जाता है। यह शोध कौशल विकास और शिक्षा के अन्तःसम्बन्ध को स्पष्ट करता है।

fdj.k jMh ¼2022½ ने सुरक्षा में आधुनिक ई–कॉमर्स प्रणाली में बढ़ते साइबर खतरों और सुरक्षा चुनौतियों का विश्लेषण किया गया है। इस अध्ययन में डार्क वेब, डेटा लेक, फेकिंग और ऑनलाइन धोखाधंडी जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है। साइबर सुरक्षा के लिए एंक्रीप्शन, फायरवॉल और सुरक्षा प्रोटोकॉल की भूमिका को समझाया गया है। शोध में डिजिटल वाणिज्य को सुरक्षित बनाने के उपायों पर भी जोर दिया गया है।

nhid pkgku ¼2023½ ने स्टार्टअप *और व्यवसायिक अवसर* में भारत में बढ़ती स्टार्टअप संस्कति और उद्यमिता के नए अवसरों का विश्लेषण किया गया है। इस अध्ययन में सरकारी नीतियों, वित्तीय सहायता, तकनीकी विकास और डाजिटल भारत अभियान की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। स्टार्टअप ने रोजगार सजन, नवीकरण और आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया है। साथ ही कुशल जनजी संभावना और बाजार प्रतिस्पर्धा जैसे चुनौतियों का भी विश्लेषण किया गया है।

inhi tk'kh ¼2024½ द्वारा *अर्थव्यवस्था* में पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच सन्तुलन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। इस अध्ययन में सतत वाणिज्य प्रणालियों, नवीकरणीय ऊर्जा, एवं पर्यावरण अनुकूल उत्पादन विधियों का विश्लेषण किया गया है। हरीत अर्थव्यवस्था के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। यह शोध पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के समन्वय पर बल देता है।

vt; flg ¼2025½ ने भविष्य में वैश्वीकरण, ई–कॉमर्स और डिजिटल तकनीकी के बदलते स्वरूप का विस्तृत अध्ययन किया गया है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के विस्तार से नए अवसर उत्पन्न हुए हैं और विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। इस शोध में आधुनिक व्यापार और उद्योग की भविष्यवती संभावनाएँ, चुनौतियाँ और तकनीकी विकास की भूमिका का विश्लेषण किया गया है।

IJETIR

ISSN (Online) 2583-0554

International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)

Impact Factor: 5.731

Volume 6, Issue 3, March 2026

3- vk/kfud ;qx vkj vFkO;oLFkk e ifjorZu

आधुनिक युग तेजी से परिवर्तनशील और तकनीकी आधारित युग है, जहाँ विज्ञान, तकनीक और वैश्वीकरण ने विश्व की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। इस परिवर्तनशील पर्यावरण में व्यापार और उद्योग की प्रक्रिया में नया रूप देखने को मिल रहा है। उत्पादन, वितरण, विनिमय और उपभोग की प्रक्रिया अभाव से अधिक संगठित और तकनीकी हो गई है। इस परिवेश में वाणिज्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि यह पूरे व्यापारिक तंत्र को एक साथ जोड़ने का कार्य करता है।

vk/kfud ;qx dk Lo:i

आधुनिक युग को तकनीकी और विज्ञान आधारित युग के रूप में परिभाषित किया जाता है। इस युग में मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से परिवर्तन देखने को मिल रहा है। सूचना तकनीकी, कम्प्यूटर, इंटरनेट और मोबाइल संचार ने दुनिया को बहुत छोटा बना दिया है। इसके कारण विज्ञान और तकनीकी ने न केवल जीवन शैली को बदला है बल्कि अर्थव्यवस्था की प्रक्रिया को भी पूरी तरह प्रभावित किया है। उत्पादन की प्रक्रिया में आटोमेशन और कृत्रिम बुद्धि का उपयोग बढ़ रहा है। इस युग में गति, दक्षता और नवीन तकनीकों का महत्व बढ़ गया है, जिससे व्यापार और उद्योग को नया आयाम मिला है।

o'ohdj.k dk iHkko

वैश्वीकरण ने विश्व की अर्थव्यवस्था को एक आपसी जोड़ से जोड़ दिया है। इस प्रक्रिया ने राष्ट्रीय सीमाओं को कम करके अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा दिया है। अब भारतीय उद्योग वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बना रहे हैं। विदेशी निवेश, अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनीयां और एमएन सी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। वैश्वीकरण के कारण बैंकिंग, बीमा और वित्तीय सेवाओं का भी विस्तार हुआ है। इसके साथ ही प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, जिससे उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। हालांकि इससे स्थानीय उद्योगों पर दबाव भी पड़ा है, लेकिन कुल मिलाकर वैश्वीकरण ने अर्थव्यवस्था को नये अवसर प्रदान किए हैं।

0;kikj vkj m|kx e ifjorZu

आधुनिक समय में व्यापार और उद्योग की प्रक्रिया में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। परिवहन, संचार और तकनीकी विकास ने उत्पादन, वितरण, विनिमय और उपभोग की प्रक्रिया को अधिक दक्षताशील बना दिया है। ई–कॉमर्स, ओनलाइन व्यापार और डिजिटल भुगतान प्रणाली ने व्यापार को तेज और सरल बना दिया है। उद्योगों में आटोमेशन और रोबोटिक्स के उपयोग से उत्पादन क्षमता बढ़ी है। इसके कारण लागत में कमी और गुणवत्ता में सुधार हुआ है। हालांकि तकनीकी परिवर्तन के कारण कौशल की आवश्यकता भी बढ़ी है, जो कामगारों के लिए एक चुनौती है।

4- okf.kT; dh Hkfedk

वाणिज्य केवल माल और सेवाओं के विनिमय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अर्थव्यवस्था का एक मूल आधार है। यह उद्योगों को बाजार से जोड़ता है और उत्पादों को उपभोक्ता तक पहुंचाता है। आधुनिक समय में वाणिज्य ने वित्तीय सेवाओं, बैंकिंग, बीमा, कर व्यवस्था और ई–कॉमर्स के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह उत्पादन से लेकर उपभोग तक की पूरी प्रक्रिया को जोड़ने का कार्य करता है। वाणिज्य के बिना वित्तीय व्यवस्था, बैंकिंग, बीमा और व्यापार की गतिविधियां पूरी नहीं हो सकती। आधुनिक समय में वाणिज्य की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है, क्योंकि वैश्वीक बाजार ने इसके क्षेत्र को विस्तृत बना दिया है। वाणिज्य न केवल व्यापारिक गतिविधियों को सुचालित करता है बल्कि रोजगार के नये अवसर भी पैदा करता है। इसके साथ ही यह अर्थव्यवस्था के सन्तुलित विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
IJETIR
Impact Factor: 5.731
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 6, Issue 3, March 2026

vFkZ;oLFkk dk vk/kkj

वाणिज्य केवल माल और सेवाओं के विनिमय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी अर्थव्यवस्था का एक मूल आधार है। यह उत्पादन, वितरण और उपभोग की पूरी प्रक्रिया को सन्तुलित और सुचालित करता है। वाणिज्य के बिना किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का सही विकास संभव नहीं है। यह कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र को एक दूसरे से जोड़ने का कार्य करता है। इस प्रकार वाणिज्य पूरी अर्थव्यवस्था को एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

m|kx vkj ckt kj d chp lEcU/k

वाणिज्य उद्योग और बाजार के बीच एक महत्वपूर्ण सम्बंध स्थापित करता है। यह उत्पादों को उत्पादक से उपभोक्ता तक पहुंचाने का कार्य करता है और वितरण व्यवस्था को प्रभावी बनाता है। वाणिज्य के माध्यम से आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन बना रहता है। यह बाजार में सामान की उपलब्धता सुनिश्चित करता है और व्यापार की गति को बढ़ाता है। इस प्रकार वाणिज्य उद्योग और बाजार के बीच एक सेतक के रूप में कार्य करता है।

foRrh; lokvk e Hkfedk

आधुनिक समय में वाणिज्य की भूमिका वित्तीय सेवाओं में बहुत बढ़ गई है। यह बैंकिंग, बीमा, विनियोग और कर व्यवस्था को सुचालित करता है। इसके कारण व्यापार में पूंजी की उपलब्धता बढ़ती है और अर्थव्यवस्था मजबूत बनती है। वाणिज्य वित्तीय संस्थाओं और व्यापार के बीच समन्वय स्थापित करता है। इससे पूरे व्यापारिक तंत्र में पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ती है। इस प्रकार वाणिज्य वित्तीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

b&dkel vkj o'ohd ck t kj

वैश्वीकरण के कारण वाणिज्य का क्षेत्र अधिक विस्तृत हो गया है। ई—कॉमर्स ने व्यापार को डिजिटल रूप देकर उसे तेज और सुगम बना दिया है। अब उत्पाद वैश्वीक बाजार में सरलता से पहुंच रहे हैं। इससे व्यापार की गति बढ़ी है और नये अवसर पैदा हुए हैं। ओनलाइन शोपिंग और डिजिटल भुगतान प्रणाली ने व्यापार को आधुनिक रूप दिया है। वाणिज्य ने वैश्वीक बाजार को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

jkt xkj vkj fodkl e Hkfedk

वाणिज्य देश में रोजगार पैदा करने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। यह बैंकिंग, बीमा, उद्योग और बाजारीकारण में नये अवसर पैदा करता है। इसके कारण युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिलते हैं। वाणिज्य अर्थव्यवस्था के सन्तुलित विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह स्थानीय और वैश्वीक बाजार को जोड़कर विकास को गति देता है। इस प्रकार वाणिज्य रोजगार और अर्थविकास दोनों में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

5- rduhdh fodkl vkj fMftVy ifjorlu

तकनीकी विकास ने वाणिज्य के स्वरूप को बदल दिया है। ई—कॉमर्स, ओनलाइन व्यापार, डिजिटल भुगतान प्रणाली और स्मांर्ट तकनीकों ने व्यापार को तेज, सुरक्षित और सरल बना दिया है। इससे न केवल व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि हुई है बल्कि नये रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हुए हैं।

rduhdh fodkl dk iHkko

तकनीकी विकास ने वाणिज्य के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। परम्परागत व्यापार व्यवस्था की जगह अब तकनीकी आधारित व्यवस्था ने ले ली है। कम्प्यूटर, इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धि ;।प्द्ध और आटोमेशन ने व्यापारिक गतिविधियों को तेज, सुरक्षित और अधिक दक्षताशील बना दिया है। इसके कारण संस्थाओं में कार्य प्रणाली अधिक संगठित हो गई है और निर्णय लेने की

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 6, Issue 3, March 2026
Impact Factor: 5.731

क्षमता भी सुधारी है। तकनीकी विकास ने आंतरिक प्रबंधन से लेकर बाह्य बाजार व्यवस्था तक हर स्तर पर परिवर्तन लाया है। इससे न केवल व्यापार की गति बढ़ी है बल्कि लागत में भी कमी आयी है। वाणिज्य अभाव की जगह अब एक गतिशील और आधुनिक व्यवस्था बन चुका है।

b&dkel vkj vkuykbu 0;kikj

ई–कॉमर्स आधुनिक वाणिज्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसके द्वारा व्यापार भौतिक बाजार की सीमाओं से बाहर निकलकर वैश्वीक स्तर तक पहुंच गया है। ओनलाइन शोपिंग वेबसाईट, मोबाइल एप्पस और डिजिटल प्लेटफार्म ने उपभोक्ताओं के लिए खरीदारी को बहुत सरल और सुविधाजनक बना दिया है। व्यापारी अब अपने उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रदर्शित कर सकते हैं। इससे नये बाजार, नये ग्राहक और नये अवसर पैदा हुए हैं। ई–कॉमर्स ने व्यापार की गति को बढ़ाया है और अर्थव्यवस्था को आधुनिक रूप दिया है। इसके साथ ही डेलिवरी, लॉजिस्टीक्स और कस्टमर सुविधाओं में भी सुधार हुआ है। इस प्रकार ई–कॉमर्स आधुनिक व्यापार का एक मजबूत स्तंभ बन गया है।

fMftVy Hkxrku i.kkyh

डिजिटल भुगतान प्रणाली ने वित्तीय लेन–देन के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। अब नगद लेन–देन की जगह मोबाइल पेमेंट, यूपीआई ;न्च्द्ध, नेट बैंकिंग और डिजिटल वॉलेट का उपयोग बढ़ गया है। इससे व्यापार में पारदर्शिता और सुरक्षा दोनों में सुधार हुआ है। ग्राहक और व्यापारी दोनों के लिए भुगतान प्रक्रिया तेज और सरल बन गई है। डिजिटल भुगतान ने न केवल समय की बचत की है बल्कि भूमि पर निर्भरता भी कम की है। इसके कारण बैंकिंग प्रणाली में भी आधुनिकीकरण आया है। हालांकि साईबर सुरक्षा एक चुनौती है, लेकिन कुल मिलाकर डिजिटल भुगतान ने वाणिज्य को नया आयाम प्रदान किया है।

u;s jkstxkj ds volj

तकनीकी और डिजिटल परिवर्तन ने रोजगार के क्षेत्र में नये अवसर पैदा किए हैं। परम्परागत नौकरी के साथ–साथ अब ऑनलाइन और डिजिटल क्षेत्र में भी रोजगार के अच्छे अवसर बन गए हैं। वेब डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइन, डाटा एनालिटिक्स और साईबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में रोजगार मिल रहा है। स्टार्टअप संस्कृति ने भी युवाओं को रोजगार प्रदान करने के नये मार्ग खोले हैं। इसके साथ ही स्वनिर्भर व्यापार और आनलाइन व्यापार ने स्वरोजगार को बढ़ावा दिया है। हालांकि इन अवसरों के साथ नये कौशल की आवश्यकता भी बढ़ी है, जिसके लिए प्रशिक्षण और शिक्षा आवश्यक है। इस प्रकार डिजिटल परिवर्तन रोजगार की नयी दिशा प्रदान कर रहा है।

6- o'ohdj.k vkj ckt+kj foLrkj

वैश्वीकरण ने भारतीय और विश्व के अर्थव्यवस्था के बीच सीमाओं को कम कर दिया है। इसके कारण स्थानीय उद्योगों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिली है और विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है। वाणिज्य ने इस प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाया है।

o'ohdj.k dk Lo:i

वैश्वीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा विश्व की अर्थव्यवस्थाएं एक दूसरे से जोड़ी जाती हैं। इसके अन्तर्गत व्यापार, निवेश, तकनीक और सेवाओं का आदान–प्रदान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर होता है। वैश्वीकरण ने राष्ट्रीय सीमाओं को कम कर दिया है और विश्व को एक बाजार के रूप में परिवर्तित कर दिया है। इस प्रक्रिया ने भारतीय अर्थव्यवस्था को भी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने का अवसर प्रदान किया है। अब स्थानीय उद्योग विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वैश्वीकरण के कारण तकनीकी और वित्तीय प्रवाह में भी वृद्धि हुई है, जिससे अर्थव्यवस्था अधिक गतिशील बन गई है।

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 6, Issue 3, March 2026
Impact Factor: 5.731

LFkkuh; m|kxk dk vUrjk"Vh; cktkj rd igip

वैश्वीकरण के कारण स्थानीय उद्योगों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिली है। अब भारतीय कम्पनीयां अपने उत्पादों को विश्व स्तर पर बेचने में सक्षम हो गई हैं। इससे न केवल उनकी बाजार सीमा बढ़ी है बल्कि आय और लाभ में भी वृद्धि हुई है। विशेष रूप से आटोमोबाइल, सूचना तकनीकी और फैक्ट्री क्षेत्र में भारतीय उद्योगों ने अन्तर्राष्ट्रीय पहचान बनाई है। वैश्वीक प्रतिस्पर्धा ने उत्पाद की गुणवत्ता और उत्पादकता में भी सुधार किया है। हालांकि छोटे उद्योगों के लिए यह एक चुनौती भी है, लेकिन सही नीतियों से वे भी विश्व बाजार में अपनी जगह बना सकते हैं।

fon'kh fuo'k vkj vkfFkd fodkl

वैश्वीकरण के कारण विदेशी निवेश में जोरीदार वृद्धि हुई है। विशेष रूप से मल्टीनेशनल कम्पनीयों ने भारतीय बाजार में निवेश करके उद्योग और सेवा क्षेत्र को मजबूत किया है। इससे नये रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं और देश की अर्थव्यवस्था को गति मिली है। बैंकिंग, बीमा, आईटी और निर्यात क्षेत्र में विदेशी निवेश का विशेष प्रभाव देखने को मिलता है। वैश्वीकरण ने पूंजी, तकनीक और कौशल का आदान–प्रदान सरल बना दिया है। इस प्रक्रिया ने भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर मजबूत पहचान दी है। हालांकि प्रतिस्पर्धा बढ़ने से कुछ छोटे उद्योगों पर दबाव भी पड़ा है, लेकिन कुल मिलाकर यह अर्थविकास के लिए लाभकारी साबित हुआ है।

7- MkVk fo'y"k.k

इस अध्ययन में आधुनिक व्यापार और उद्योग में वाणिज्य की भूमिका का विश्लेषण विभिन्न आर्थिक रिपोर्ट, सरकारी आंकड़ों एवं शोध–पत्रों के आधार पर किया गया है। नीचे अवसर और चुनौतियों को संख्यात्मक मूल्यों के साथ प्रस्तुत किया गया है।

rkfydk&1 volj dk fo'y"k.k

Øekd	volj	MkVk	fo'y"k.k
1	वैश्वीकरण	भारत का निर्यात लगभग ₹77 लाख करोड़	वाणिज्य ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा दिया है
2	ई–कॉमर्स	बाजार आकार लगभग +125–130 बिलियन	डिजिटल व्यापार तीव्र गति से बढ़ रहा है
3	डिजिटल भुगतान	यू.पी. आई. लेन–देन ₹18,000 करोड़ प्रति माह (औसत)	कैशलेस अर्थव्यवस्था का विकास हुआ है
4	स्टार्टअप	भारत में 1.2 लाख़ स्टार्टअप	नए व्यवसाय और रोजगार के अवसर बढ़े हैं
5	विदेशी निवेश	लगभग +70 बिलियन वार्षिक प्रवाह	उद्योगों में पूंजी और तकनीकी विकास हुआ है

प्रस्तुत तालिका के आधार पर स्पष्ट है कि आधुनिक व्यापार और उद्योग में वाणिज्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वैश्वीकरण के कारण भारत का निर्यात लगभग ₹77 लाख करोड़ तक पहुँच गया है, जो अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में देश की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। ई–कॉमर्स क्षेत्र का बाजार आकार लगभग +125–130 बिलियन तक पहुँचना इस बात का प्रतीक है कि डिजिटल वाणिज्य ने व्यापार प्रणाली को तीव्र गति से बदल दिया है।

डिजिटल भुगतान प्रणाली के अंतर्गत यू.पी. आई. लेन–देन का औसत ₹18,000 करोड़ प्रति माह पहुँचना देश में कैशलेस अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास को दर्शाता है। इसके साथ ही भारत में 1.2 लाख़ स्टार्टअप का होना नए उद्यमिता अवसरों और रोजगार सृजन की बढ़ती संभावना को स्पष्ट करता है। विदेशी निवेश में लगभग +70 बिलियन वार्षिक प्रवाह उद्योगों में पूंजी और तकनीकी विकास को बढ़ावा देता है। इस प्रकार निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि वाणिज्य ने भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर मजबूत बनाया है और ई–कॉमर्स, डिजिटल भुगतान तथा विदेशी निवेश जैसे क्षेत्रों ने विकास की गति को तीव्र किया है।

rkfydk&2 pqukSfr;ksa dk fo'ys"k.k

Øekad	pqukSrh	MkVk	fo'ys"k.k
1	साइबर अपराध	1.5 लाख़ मामले	डिजिटल व्यापार में सुरक्षा जोखिम बढ़े हैं
2	डिजिटल असमानता	40–45: ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित इंटरनेट उपयोग	वाणिज्य विकास असमान है
3	कौशल की कमी	केवल 45–50: कार्यबल डिजिटल रूप से योग्य	उद्योगो में दक्षता की कमी हैं
4	प्रतिस्पर्धा	लगभग 30: डैड इकाईयां कमजोर स्थति में	छोटे उद्योग प्रवाहित हो रहे हैं
5	लॉजिस्टिक्स लागत	जी. डी. पी. का 13–14 प्रतिशत	व्यापार लागत अधिक है

तालिका के आधार पर स्पष्ट है कि आधुनिक व्यापार और उद्योग में वाणिज्य की प्रासंगिकता के साथ–साथ कुछ गम्भीर चुनौतियां भी मौजूद हैं। सर्वाधिक महत्वपूर्ण चुनौती साइबर अपराध की है, जिसमें लगभग 1.5 लाख़ मामले दर्ज किए गए हैं। यह दर्शाता है कि डिजिटल व्यापार में सुरक्षा जोखिम तीव्र गति से बढ़ रहे हैं।

डिजिटल असमानता भी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि 40–45: ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी सीमित इंटरनेट उपयोग है । इस कारण वाणिज्य का विकास सभी क्षेत्रों में समान रूप से नहीं हो पा रहा है । कौशल की कमी के कारण केवल 45–50: कार्यबल ही डिजिटल रूप से योग्य है, जो उद्योगों की दक्षता को प्रभावित करती है ।

प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में लगभग 30: डैड़ इकाईयां कमजोर स्थिति में हैं, जिससे छोटे उद्योग बाजार में पीछे हो रहे हैं। लॉजिस्टिक्स लागत भी एक बड़ी चुनौती है क्योंकि जी. डी. पी. का 13–14 प्रतिशत भाग केवल परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला पर व्यय होता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि यद्यपि वाणिज्य ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया है, लेकिन सुरक्षा, कौशल, असमानता और लागत से जुड़ी चुनौतियों का समाधान किए बिना इसका पूर्ण विकास संभव नहीं है।

8- fu"d"k

इस प्रकार स्पष्ट है कि आधुनिक व्यापार और उद्योग में वाणिज्य की प्रासंगिकता लगातार बढ़ रही है। यह न केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाता है बल्कि विकास और रोजगार के नये अवसर भी प्रदान करता है। हालांकि इसके साथ कुछ चुनौतियां भी हैं, जिन्हें सही नीति और तकनीकी विकास से दूर किया जा सकता है।

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 6, Issue 3, March 2026
Impact Factor: 5.731

आधुनिक युग और अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के आधार पर स्पष्ट है कि वैश्वीकरण, तकनीकी विकास और डिजिटल परिवर्तन ने विश्व की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। आधुनिक व्यापार और उद्योग अब परम्परागत प्रणाली से निकलकर एक तकनीकी आधारित, गतिशील और वैश्वीक स्वरूप में विकसित हो चुके हैं। उत्पादन, वितरण, विनिमय और उपभोग की प्रक्रिया अब अधिक संगठित, कुशल और तकनीकी हो गई है। ई–कॉमर्स, डिजिटल भुगतान, कृत्रिम बुद्धि और आटोमेशन जैसे तत्वों ने व्यापार के स्वरूप को नया आयाम प्रदान किया है।

अध्ययन से स्पष्ट है कि वाणिज्य अर्थव्यवस्था का एक मूल आधार है, जो उद्योग और बाजार के बीच सेतक की भूमिका निभाता है। वाणिज्य ने केवल माल और सेवाओं के विनिमय को ही नहीं बदला है, बल्कि रोजगार सृजन, पूंजी निर्माण, वित्तीय सेवाओं और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को भी मजबूत किया है। भारत में ई–कॉमर्स का विस्तार, जैसे डिजिटल भुगतान प्रणाली का तीव्र विकास और स्टार्टअप का उत्पन्न होना यह दर्शाता है कि वाणिज्य ने आधुनिक अर्थव्यवस्था को नया आधार प्रदान किया है। इसके साथ ही विदेशी निवेश का प्रवाह भारतीय उद्योगों में पूंजी और तकनीकी विकास को बढ़ावा दे रहा है।

परन्तु इस विकास के साथ कुछ गम्भीर चुनौतियां भी उत्पन्न हुई हैं। साइबर अपराध में मामलों की वृद्धि यह दर्शाती है कि डिजिटल वाणिज्य में सुरक्षा एक बड़ी समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित इंटरनेट पहुँच डिजिटल असमानता को दर्शाती है, जिससे विकास सभी क्षेत्रों में समान रूप से नहीं हो पा रहा है। कार्यबल का ही डिजिटल कौशल से युक्त होना उद्योगों की दक्षता को प्रभावित करता है । इसके अलावा इकाईयों का कमजोर होना और लॉजिस्टिक्स लागत पर व्यय होना भी अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती पैदा करता है ।

आधुनिक युग में वाणिज्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य है। यह न केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाता है बल्कि रोजगार, उद्यमिता और वैश्वीक व्यापार को भी बढ़ावा देता है। तकनीकी विकास ने इसके स्वरूप को आधुनिक बना दिया है और ई–कॉमर्स तथा डिजिटल भुगतान ने इसे सरल और प्रभावी बना दिया है। अन्त में कहा जा सकता है कि यदि सरकार तकनीकी कौशल विकास, साईबर सुरक्षा, डिजिटल असमानता को कम करने और लॉजिस्टिक्स प्रणाली में सुधार करने पर ध्यान दे तो वाणिज्य आधुनिक अर्थव्यवस्था को नये शीखर तक पहुँचा सकता है। इस प्रकार वाणिज्य भारतीय और वैश्वीक अर्थव्यवस्था के सतत विकास का मुख्य आधार बन चुका है।

InHk Iph

1. अजय सिंह (2025) 'आधुनिक व्यापार और उद्योग का भविष्य', इंटरनेशनल जरनल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 15(1) ISSN: 2394–7788।

2. अमीत पाण्डेय (2022) 'आधुनिक व्यापार पद्धतियाँ और नवाचार', जरनल ऑफ बिजनेस इनोवेशन, 12(4) ISSN: 2395–6677।

3. अनिल गुप्ता (2016) 'वैश्वीकरण और भारतीय व्यापार विकास', इंटरनेशनल जरनल ऑफ कॉमर्स, 6(1) ISSN: 2456–7891।

4. किरण रेडी (2022) 'डिजिटल वाणिज्य में साइबर सुरक्षा', टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस रिव्यू, 12(2) ISSN: 2456–7788।

5. दीपक चौहान (2023) 'भारत में स्टार्टअप और व्यवसायिक अवसर', एंटरप्रन्योरशिप जरनल, 11(3) ISSN: 2456–9988।

6. मनोज यादव (2019) 'औद्योगिक विकास में वाणिज्य की भूमिका', जरनल ऑफ इकॉनोमिक रिसर्च, 9(4) ISSN: 2456–1122।

7. मीमा सक्सेना (2023) 'आर्थिक विकास में बैंकिंग की भूमिका', जरनल ऑफ फाईनेंसीयल स्टेडीज, 13(1) ISSN: 2345–9911।

9. राजेश जैन (2020) 'भारत में डिजिटल भुगतान प्रणाली', बैंकिंग एंड फाईनेंस जरनल, 9(3) ISSN: 2249–8765।

10. राजश कुमार शर्मा (2015) 'आधुनिक अर्थव्यवस्था में वाणिज्य की बदलती भूमिका', जरनल ऑफ बिजनेस स्टेडीज, 5(1), ISSN: 2348–5678।

11. सुनीता वर्मा (2018) 'विकासशील अर्थव्यवस्था में ई–कॉमर्स की वृद्धि', इंडियन जरनल ऑफ इकॉनोमिक्स एंड ट्रेड। 8(2) ISSN: 2278–1234।

12. श्वेता भट्ट (2016) 'वाणिज्य क्षेत्र द्वारा रोजगार सृजन', इकॉनोमिक डेवेलपमेंट जरनल, 11(3), ISSN: 2347–1122।

13. निशा शर्मा (2020) 'भारत में तकनीक और व्यापार वृद्धि', जरनल ऑफ इंफॉरमेशन सिस्टम, 14(2) ISSN: 2345–2233।

14. प्रदीप जोशी (2024) 'सतत वाणिज्य और हरीत अर्थव्यवस्था' जरनल ऑफ एन्वर्योनेट एंड इकॉनोमिक्स, 14(1) ISSN: 2456–8899।

15. पूजा अग्रवाल (2021) 'वाणिज्य शिक्षा और कौशल विकास', जरनल ऑफ हायर एजुकेशन, 11(1) ISSN: 2456–3344।